भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 619
25 जुलाई, **2023** को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ द्वारा शोध हेतु लिए गए नए विषयक्षेत्र

619. श्री कार्तिकेय शर्माः

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पिछले एक वर्ष में स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थानों (पीजीआईएमईआर) को दिए गए अधिदेश के मद्देनजर संस्थान द्वारा शोध हेतु कौन-कौन से नए विषय लिए गए हैं और यह जनता के लिए कितना लाभप्रद होगा; और
(ख) आम लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतर पहुंच के लिए संस्थान द्वारा किए गए किन्हीं विशेष प्रयासों का ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (डॉ. भारती प्रविण पवार)

(क) और (ख): चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ (पीजीआईएमईआर) विभिन्न नए क्षेत्रों में शोध कर रहा है जिसमें, न्यूरो-इम्यूनोलॉजिकल रोगों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और जेनेटिक विकारों से जुड़ी दुर्लभ बीमारियों पर विशेष ध्यान देते हुए कैंसर निदान, न्यूरोलॉजिकल रोग, शामिल हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच को बढ़ाने के लिए, संस्थान जनता के लाभ के लिए इ-संजीवनी प्लेटफ़ॉर्म के अभिग्रहण के माध्यम से टेलीमेडिसिन पर विशेष जोर दे रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, हरियाणा के सहयोग से आयुष्मान भारत स्वास्थ्य और आरोग्य केंद्रों के माध्यम से टेली-परामर्श प्रदान किए जाते हैं और 90,000 से अधिक टेली- परामर्श दिए जा चुके हैं।

क्षेत्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (रोट्टो) पीजीआईएमईआर द्वारा जरूरतमंद रोगियों हेतु अंग प्रदाताओं के संभावित पूल को बढ़ाने के लिए समुदाय संपर्क सत्र, क्षमता निर्माण सत्र, हितधारक बैठकें, प्रचार (एडवोकेसी) बैठकें, प्रदाता परिवारों का अभिनंदन आदि सहित विभिन्न कदम उठाए गए हैं। रोट्टो, पीजीआईएमईआर को नामांकित राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों, जिनमें पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, उत्तर प्रदेश तथा जम्मू और कश्मीर, लद्दाख और चंड़ीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र शामिल हैं, के साथ समन्वय करने की जिम्मेंदारी सौंपी गई है।

*****